prabhatkhabar.com

प्राइड ऑफ स्टील सिटी. साइंस के प्रति बच्चों में रुझान पैदा करने की पहल

आरवी के तीन छात्रों को 5 साल तक मिलेगा सालाना ₹80 हजार

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर

राजेंद्र विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने शहर का नाम रोशन किया है. भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से देश के होनहार व प्रतिभाशाली को दी जाने वाली इंस्पायर स्कॉलरशिप के लिए राजेंद्र विद्यालय के तीन विद्यार्थियों (आर्यन सिंह, आयुष कुमार व सुप्रीति कुमारी) का चयन किया गया है.

तीनों ने इस साल राजेंद्र विद्यालय से बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में हिस्सा लिया था. स्कूल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि आयुष कुमार को बोर्ड परीक्षा में 99.5 प्रतिशत अंक हासिल हुए थे. इस अंक के साथ वह न सिर्फ स्टेट टॉपर बना बल्कि थर्ड नेशनल टॉपर बनने का भी गौरव हासिल किया. हालांकि कोरोना के कारण इस बार बोर्ड की ओर से अधिकारिक रैंकिंग जारी नहीं की गयी थी. जबकि आर्यन सिंह को 97.5 प्रतिशत व सुप्रीति कुमारी को 96.5 प्रतिशत अंक हासिल हुए थे. तीनों विद्यार्थियों की सफलता से स्कूल प्रबंधन में उत्साह है. पिछले साल भी स्कूल के एक छात्र को उक्त स्कॉलरशिप दी गयी थी.

सुप्रीती कुमारी

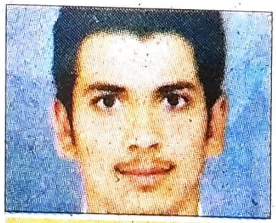

आर्यन सिंह

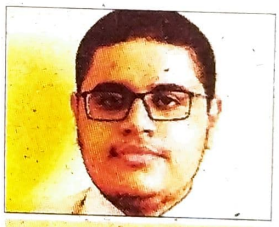

आयुष कुमार

क्या है योजना व कौन ले सकते हैं लाभ

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा देश के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुझान पैदा करने के लिए इंस्पायर स्कॉलरशिप फॉर हायर एजुकेशन (एसएचइ) स्कीम के नाम से है जाना जाता है. इसके लिए विद्यार्थियों ने दिसंबर माह में आवेदन किया था. भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान, कॉलेज या विश्वविद्यालय से बेसिक या नेचुरल साइंस में बीएसी, इंटेग्रेटेड एसएमसी डिग्री कोर्स करने वाले इसके लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं. साथ ही आइआइटी जेइइ, नीट में टॉप 1,000 रैंक होल्डर्स भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. उम्मीदवारों की आयु 17 से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए.

मिलेगा ये लाभ

इस स्कॉलरशिप के लिए विभिन्न बोर्ड के एक प्रतिशत विद्यार्थियों को चुना जाता है. चयनित विद्यार्थियों को हर साल 80,000 रुपये मिलेंगे. 80,000 रुपये में से 60,000 रुपये सालाना स्कॉलरशिप के होंगे और 20,000 रुपये सालाना समरटाइम अटेचमेंट फीस के होंगे.

तीनों विद्यार्थियों ने स्कूल का नाम रोशन किया है. इनसे स्कूल के साथ ही दूसरे स्कूल के विद्यार्थियों को भी बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी. तीनों विद्यार्थियों को शुभकामनाएं.

-राखी बनर्जी, प्रिंसिपल, राजेंद्र विद्यालय